Major
~~Minor~~ Subject - Tabla

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप Paper-I Theory

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-2022

विषय: ताल वाद्य (तबला / पखावाज)

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-MSTVIT**
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत के सामान्य सिद्धांत (प्रश्न पत्र **1/2**)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संगीत अध्ययन कक्षा/**12**वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो । .... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है: ..../ सभी के लिए उपलब्ध **(Open For all)**
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) **(CLO)**	1. पाठयक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय संगीत से परिचित कराना। 2. संगीत के पारिभाषिक शब्दों तथा प्रारंभिक तालों मे परिचित कराना। 3. विद्यार्थियों को ताललिपि पदधति मे परिचित करना। 4. लय तथा लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान। 5. विद्यालयीन संगीत शिक्षण व्यवस्था एवं उसमें रोजगार के अवसरों को जानना।
6	क्रेडिट मान	**02**
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
i	1. संगीत की परिभाषा - संगीत का सामान्य अध्ययन। 2. संगीत के प्रकार - शास्त्रीय, सुगम, लोकसंगीत 3. नाद तथा नाद के प्रकार - नाद के गुण	8 घंटे
ii	1. निम्नांकित तालों का शास्त्रीय अध्ययन। तीनताल, झपताल, कहरवा, दादरा 2. पाठयक्रम की तालों का ठाह लय में लिपिबध करने का अभ्यास। 3. ताल की परिभाषा एवं महत्व।	6 घंटे
iii	1. लय की परिभाषा एवं मुख्य प्रकारों का अध्ययन- 2. ठेका, मात्रा, विभाग, सम, खाली, भरी (ताली) की परिभाषाएँ। 3. पं. विष्णुनारायण भातखण्डे जी की ताल लिपिपद्ध का सामान्य अध्ययन।	8 घंटे
iv	1. तीनताल में 'तेटे' और 'तिरकित' बोलों पर आधारित दो प्रारंभिक कायदों का पल्टों सहित लिपिबदध करने का ज्ञान। 2. पाठयक्रमकी तालों को दुगुन लय में लिपिबदध करने का ज्ञान। 3. विद्यालयीन संगीत शिक्षण एवं उसकी उपयोगिता तथा उसमें निहित रोजगार के अवसर।	8 घंटे

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

51.31

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. लेखक उपनाम, प्रथमाक्षर "पुस्तक शीर्षक", , प्रकाशक नाम, शहर/ संस्करण नं. (यदि कोई हो)।

1. संगीत विशारद, बसंत, प्रकाशक - लक्ष्मीनारायण गर्ग, संगीत कार्यालय हाथरस
2. ताल परिचय, डॉ. गिरीशचंद्र श्रीवास्तव, भाग-1
3. ताल परिचय भाग-2 डॉ. गिरीशचंद्र श्रीवास्तव

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंक :25
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 कुल अंक 75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

Major Subject - Tabla
Paper-I Practical

प्रायोगिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा : बी.ए	वर्ष:: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-2022
विषय: ताल वाद्य (तबला / पखावाज)				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-MSTV1P		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रायोगिक प्रश्नपत्र-1		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संगीत अध्ययन कक्षा/12वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो। ..... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है: ...../ सभी के लिए उपलब्ध **(Open For all)**		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. अपने वाद्य यंत्रो के वर्णों की प्रथक-प्रथक जानकारी होगी। 2. प्रारंभिक तालों को अपने वाद्य यंत्र पर बजाने का ज्ञान कराना। 3. पढन्त का ज्ञान (हाथ की क्रियाओं) के द्वारा। 4. तीनताल के कायदासे परिचित कराना तथा अपने वाद्य पर पल्टो तिहाई सहित वादन की क्षमता विकसित कराना।		
6	क्रेडिट मान	04		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P:**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	तबले/ पखावज के दांये एवं बांये से निकलने वाले स्वतंत्र बोलों का अभ्यास एवं निकास विधि।	15
II	निम्नांकित तालों के ठेकों का ज्ञान एवं बजाने का अभ्यास। तीनताल, झपताल, दादरा, कहरवा।	15
III	पाठ्यक्रम की तालों को ठाहलय में हाथ से पढन्त करने का ज्ञान ताली, खाली सहित प्रदर्शन।	15
IV	तीनताल में प्रारंभिक दो कायदों (तेटे, तिरकिट) का 3 पल्टो तिहाई सहित वादनकरने की क्षमता।	15

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. तबला कौमुदी भाग-1 पं. रामशंकर पागलदास, चौखम्बा प्रकाशन- बाराणासी।
2. तबला कौमुदी भाग-2 पं. रामशंकर पागलदास, चौखम्बा प्रकाशन- बाराणासी।

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	10	प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	15
उपस्थिति	5	प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	10
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कस्कर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा	10	टेबल वर्क/ प्रयोग	50
कुल अंक	25		75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

Major Subject - Tabla
Paper - II Theory

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा : बी.ए	वर्ष:: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-2022
विषय: ताल वाद्य (तबला / पखावाज)				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-MSTV2T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत का इतिहास (प्रश्न पत्र-2)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संगीत अध्ययन कक्षा/**12**वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो । .... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है: ..../ सभी के लिए उपलब्ध **(Open For all)**		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) **(CLO)**	1. संगीत की उत्पत्ति के विभिन्न मतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना। 2. अपने वाद्ययंत्र का ज्ञान एवं उनके अंगों का ज्ञान। 3. तबला / पखावाज के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी का ज्ञान कराना। 4. मुख्य संगीतज्ञों की जानकारी एवं उनके सांगीतिक योगदान की जानकारी करवाना। 5. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन एवं उसमें निहित रोजगार के अवसरों से परिचित कराना।		
6	क्रेडिट मान	02		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P:**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
i	संगीत की उत्पत्ति की विभिन्न अवधारणाये 1. धार्मिक मत 2. प्राकृतिक मत 3. मनोवैज्ञानिक मत	8 घंटे
ii	1. भारतीय संगीत के वैदिक कालीन इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन। 2. तबला / पखावज के अंगों का ज्ञान एवं सचित्र वर्णन। 3. तबले के दिल्ली/ पखावज के पं. कुदउ सिंह घराने का सामान्य अध्ययन।	8 घंटे
iii	1. घरानोंका आशय एवं महत्व। 2. संगीत शिक्षण में घरानों की उपयोगिता। 3. तबले के दिल्ली/ पखावज के पं- कुदउ सिंह घराने का सामान्य अध्ययन।	8 घंटे
iv	1. निम्नांकित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान। विष्णु नारायण भातखण्डे, पं. रामसहाय, उ. हबीबुद्दीन खाँ, पं. कुदउ सिंह 2. अवनद्ध वादकों के गुण दोषों का अध्ययन। 3. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन के विभिन्न आयम एवं उसमें निहित रोजगारों के अवसर।	6 घंटे

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

अन्य बिंदु (की वर्ड)/टैग:
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: 1. लेखक उपनाम, प्रथमाक्षर "पुस्तक शीर्षक", , प्रकाशक नाम, शहर/ संस्करण सं. (यदि कोई हो)। 1. संगीत विशारद, बसंत, प्रकाशक - लक्ष्मीनारायण सर्मा, संगीत कार्यालय हाथरस 2. भारतीय संगीत का इतिहास, उमेश जोशी, मानसरोवर प्रकाशन फिरोजाबाद 3. ताल प्रकाश, डॉ. भगवत शरण शर्मा, संगीत कार्यालय हाथरस। 2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 **कुल अंक :25**
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 **कुल अंक 75**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

Major Subject - Tabla
Practical - Paper - II

प्रायोगिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा : बी.ए	वर्ष:: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-2022
विषय: ताल वाद्य (तबला / पखावाज)				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-MSTV2P		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रायोगिक प्रश्नपत्र-2		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संगीत अध्ययन कक्षा/12वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो । ..... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है: ...../ सभी के लिए उपलब्ध **(Open For all)**		
5	पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. अपने वाद्य यंत्रो पर प्रारंभिक मिश्रित वर्णों का रखाव एवं हाथ के रखाव की जानकारी कराना। 2. लय का आशय एवं दुगुन की जानकारी एवं तालों को बजाने की क्षमता विकसित होगी। 3. सुगम एवं लोकसंगीत में प्रारंभिक ठेकों की संगति की जानकारी। 4. राष्ट्रगान / राष्ट्रगीत एवं क्षेत्रीय लोकगीतों में तबला संगति की प्रारंभिक जानकारी के द्वारा वादन की क्षमता विकसित होगी।		
6	क्रेडिट मान	04		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान कीं कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	तबला / पखावज के दायें एवं बायें से निकलने वाले प्रारंभिक मिश्रित वर्णों (बोलों) का अभ्यास एवं निकास विधि।	15
II	पाठ्यक्रम की तालों को दुगुन लय में बजाने का अभ्यास। तीनताल, झपताल, कहरवा, दादरा।	15
III	कहरवा, दादरा को ठाह, दुगुन में बजाने का अभ्यास एवं इनके दो प्रकारों का वादन करने की क्षमता।	15
IV	राष्ट्रगान / राष्ट्रगीत अथवा क्षेत्रीय लोकगीतों ठेकों सहित संगति की क्षमता।	15
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:		

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: 3. तबला कौमुदी भाग-1 पं. रामशंकर पागलदास, चौखम्बा प्रकाशन- बाराणासी। 4. तबला कौमुदी भाग-2 पं. रामशंकर पागलदास, चौखम्बा प्रकाशन- बाराणासी।

Dr. Archana Parmar
Professor, Dept. of Music(Vocal)
Govt. Girls PG College, Ujjain, M.P.

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	**10**	प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	**15**
उपस्थिति	**5**	प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	**10**
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कस्कर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा	**10**	टेबल वर्क/ प्रयोग	**50**
कुल अंक	**25**		**75**

कोई टिप्पणी/सुझाव: